Synergy

BSES
BSES Rajdhani Power Limited

... दिल्ली सरकार के साथ एक संयुक्त उद्यम

सितंबर – अक्टूबर, 2010

बिजली निजीकरण के पक्ष में बोले दिल्लीवाले

एक और सर्वे में बिजली निजीकरण के पक्ष में बोले दिल्लीवाले। इस बार बिजनेसवर्ल्ड ने यह सर्वे किया है। सिनोवेट अर्बन इंफ्रास्टक्चर सर्वे 2010 में उजागर हुई बातों को बिजनेसवर्ल्ड पत्रिका के 23 अगस्त, 2010 के अंक में प्रकाशित किया गया है।

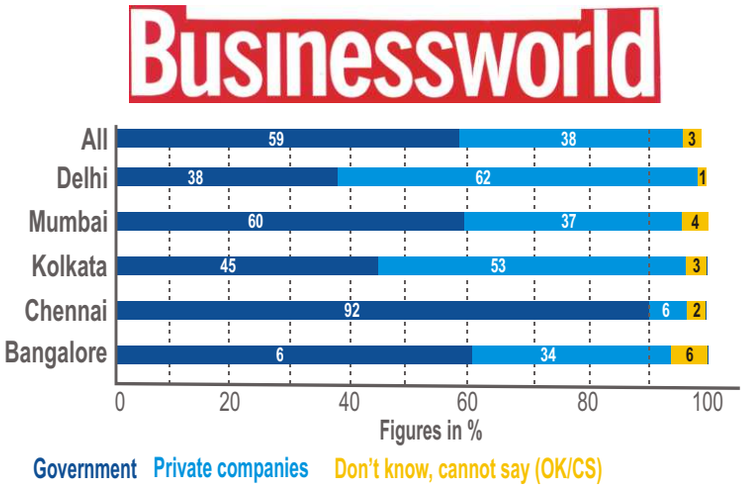

यही सर्वे कई शहरों में किया गया। दिल्ली में सेक्सन ए और सेक्शन ए प्लस सेग्मेंट में जितने लोगों से बात की गई, उनमें से 62 प्रतिशत चाहते हैं कि बिजली वितरण को निजी कंपनियां नियंत्रित करें। बिजली निजीकरण का पक्ष लेने वालों में कोलकाता के लोग दूसरे स्थान पर हैं। वहां 53 प्रतिशत लोगों ने यह बात कही।

इस मौके पर बीएसईएस अपने सभी 26 लाख उपभोक्ताओं का शुक्रिया अदा करना चाहती है कि उन्होंने विश्वस्तरीय सेवाएं देने की हमारी क्षमताओं पर एक बार फिर भरोसा किया है। आपकी अपेक्षाओं पर हम हमेशा खरा उतरेंगे, इस बात के लिए हम एक बार फिर आपको आश्वस्त करते हैं।

पड़ोस के किराना स्टोर पर करें बिल का भुगतान

बीएसईएस राजधानी ने अपने उपभोक्ताओं को बिल भुगतान का एक और विकल्प दिया है। कंपनी ने "सुविधा इंफोसर्व" से एक समझौता किया है, जिसके तहत दक्षिणी और पश्चिमी दिल्ली के उपभोक्ता दिल्ली और एनसीआर के 1200 किराना स्टोर्स पर मौजूद "सुविधा आउटलेट्स" पर बिजली बिल का भुगतान कर सकते हैं। इन आउटलेट्स पर चेक व डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से भुगतान तो किया ही जा सकता है, साथ ही नकद भुगतान की भी सुविधा यहां होगी। नकद भुगतान की सीमा होगी 4000 रूपये। suvidhaa

ये "सुविधा आउटलेट्स" बीएसईएस के आईटी सर्वर के साथ सीधे जुड़े हुए हैं। यहां की जा रहीं सभी लेन–देन उसी वक्त रेकॉर्ड हो जाती हैं। खास बात यह है कि न सिर्फ आपके बिल का भुगतान उसी वक्त हो जाएगा, बल्कि उसकी रसीद भी आपको तुरंत दे दी जाएगी।

खेलों के लिए पूरी तरह तैयार है बीएसईएस

बीएसईएस ने अपने इलाके में आने वाले सभी 12 खेल स्थलों पर बिजली से संबंधित काम दिन–रात एक करके पूरे कर लिए हैं। ताकि बिजली आपूर्ति में किसी गड़बड़ी की वजह से खेलों में दिक्कत न आए, इसके लिए बीएसईएस ने हर छोटे से छोटे तकनीकी पहलू का ध्यान रखा है। एक ओर खेल स्थलों पर विश्वस्तरीय बिजली व्यवस्था विकसित की गई है, तो दूसरी ओर केबल्स के लेकर, फीडर पिलर्स और पैनल्स – तमाम चीजों को बदलकर उनकी जगह अत्याधुनिक उपकरण लगा दिए गए हैं। खेल स्थलों पर बिजली संबंधित कार्यों पर करीब 74 (बीआरपीएल 34, बीवाईपीएल 40) करोड़ रूपये की लागत आई है। बीएसईएस ने खेलों के लिए फूलप्रूफ इंतजाम किए हैं ताकि बिजली आपूर्ति में कोई दिक्कत न आए। कुछ तैयारियां इस तरह हैं:

- 11 केवी से लेकर 66/33 केवी तक, पूरे नेटवर्क को लगातार स्कैन और मॉनिटर किया जा रहा है, ताकि गड़बड़ियों का पता पहले ही चल जाए। बीएसईएस इलाके के सभी खेल स्थलों पर अलग अलग ग्रिडों से बिजली की दोहरी व्यवस्था की गई है।
- एक डिजास्टर मैनेजमेंट ग्रुप का गठन किया गया है, जो खेल स्थलों को बिजली मुहैया कराने वाले महत्वपूर्ण लोकेशनों, जैसे ग्रिड स्टेशनों और स्काडा आदि पर नजर रखेगा।
- एक क्विक रिएक्शन टीम का भी गठन किया गया है, जिसके तहत सभी खेल स्थलों के पास सीनियर इंजीनियरों के नेतृत्व में ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस की गाड़ियां खड़ी रहेंगी। ये गाड़ियां लगातार स्काडा के संपर्क में रहेंगी।

हम सुन रहे हैं ... डायल करें
बीआरपीएल – 39999707

अपने सुझाव व विचार हमें इस पते पर भेजें– कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस, बीआरपीएल, बीएसईएस भवन, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली – 110019
अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.bsesdelhi.com देखें